संचय
SANCHAYA

रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

अक्तूबर 2009 (अंक 194) | October 2009 (Issue 194)

श्री के. अनबाझगन, माननीय वित्तमंत्री, तमिलनाडू सरकार, चैन्नई में 30 अक्तूबर 2009 को 'राष्ट्रीय बचत संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययिता दिवस' के अवसर पर सबसे उत्कृष्ट महिला प्रधान अभिकर्ता को पुरस्कार प्रदान करते हुए। साथ ही (बायें से दाये) श्री उमाशंकर, आई.ए.एस. आयुक्त अल्प बचत तमिलनाडू सरकार (खडे), श्री रहमान खान, माननीय उपसभापती, राज्य सलाहकार परिषद राष्ट्रीय बचत, तमिलनाडू एवं श्री टी. दासारी क्षेत्रीय निदेशक (वरिष्ठ) राष्ट्रीय बचत संस्थान, चेन्नई भी दिखाई दे रहे है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में मितव्ययिता दिवस मनाया

राष्ट्रीय बचत संस्थान, राज्य सरकारों, डाक विभाग एवं बचत संसाधन में जुटी अन्य ऐजेन्सियों के निकट सहयोग से प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाता है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में क्षेत्रीय निदेशकों के मुख्यालयों पर 30 अक्टूबर 09 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया। अन्य वित्तीय संस्थानो जैसे राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय यूनिट ट्रस्ट ने भी समारोह में भाग लिया। विश्व मितव्ययिता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में बचत करने की आदत को बढ़ावा देना एवं बचत आंदोलन के अन्तर्गत अधिक से अधिक लोगों को उससे जोड़ना है।

इस अवसर पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह, माननीय वित्त मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी, माननीय वित्त राज्यमंत्री श्री नमो नारायन मीना की ओर से प्राप्त संदेशों को समारोह में पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सन्मानिय अतिथियों ने राष्ट्रीय बचत संस्थान के अधिकारियों से कहा कि वे बचत के बारे में वित्तीय साक्षरता के माध्यम से जागरूकता फैलायें क्योंकि आर्थिक विकास में बचत की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर एक विशेष विज्ञापन देश के प्रमुख समाचार पत्रों में डी.ए.वी.पी., नई दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा प्रकाशित किया गया। इस कार्यक्रम को समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
NATIONAL SAVINGS INSTITUTE

http://nsiindia.gov.in.

राष्ट्रीय बचत संस्थान, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर National Savings Institute, CGO Complex, Seminary Hills, Nagpur

श्री जी.जी. शुक्ला, आई.आर.एस. महानिदेशक, राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी नागपुर, राष्ट्रीय बचत संस्थान नागपुर केन्द्र द्वारा दि. 30 अक्तूबर 2009 को विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये। साथ में (बायें से दाये) श्री आर. गुहा, उपमहानिदेशक, खनिज एवं सुरक्षा, श्री आर.बी. सिंह मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, श्री अनिल भट्टाचार्य, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष,राष्ट्रीय बचत संस्थान, श्री पी.बी. येडला, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं कर्नल जलेश्वर कनहर कमान्डेन्ट सेना डाक सेवा कामठी भी दिखाई दे रहे है।

विश्व मितव्ययिता दिवस का महत्व और राष्ट्रीय बचत संस्थान की उपलब्धियाँ

प्रथम विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्टूबर 1924 को इटली के मिलन शहर में मनाया गया। वर्ष 1984 तक यह भारत में भी 31 अक्टूबर को मनाया जाता था परन्तु 31 अक्टूबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी के निधन के कारण विश्व मितव्ययिता दिवस पूरे देश में प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को मनाया जाने लगा। विश्व मितव्ययिता दिवस समारोह मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच बचत की आदत के प्रति जागरूकता फैलाना है। वित्त मंत्रालय के बचत उत्पादों को इस प्रकार से तैयार किया गया है कि वे समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकता को पूरा करे। ये योजनाएं भारत सरकार की है अतः इसमें उच्चतम सुरक्षा निहित है जो कि किसी भी निवेशक का प्रथम उद्देश्य होता है। राष्ट्रीय बचत संगठन (अब राष्ट्रीय बचत संस्थान) की पिछले 50 वर्षों से अधिक की उपलब्धियाँ काफी उत्साहवर्धक है। वर्ष 1948 में जहाँ इसके द्वारा रु. 100 करोड़ एकत्रित किये गये वही वर्ष 2008–09 में राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा रु. 143000 करोड़ (इसमे पी.पी.एफ. एवं एस.सी.एस.एस. सम्मिलित नहीं) एकत्रित किये गये। बचत एकत्रीकरण में राज्य सरकारें एवं विस्तारित एजेंसिया शामिल हैं और भारत में बचत एकत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य में शुद्ध जमा का 100 प्रतिशत हिस्सा संबंधित राज्य सरकारो को केन्द्र सरकार की ओर से दीर्घकालीन ऋण के रूप में दिया जाता है जिसे वे अपने राज्य के विकास योजनाओं पर खर्च करती है।

श्री प्रीथीचंद, आय.ए.एस., संयुक्त वित्तसचिव केन्द्र शासित क्षेत्र चन्डीगढ, राष्ट्रीय बचत संस्थान, चन्डीगढ़ केन्द्र द्वारा दि. 30 अक्तूबर 2009 को आयोजित विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर सबसे उत्कृष्ट अल्प बचत अभिकर्ता श्री अमित गुप्ता को पुरस्कार प्रदान करते हुये, साथ ही (बाये से दायें) श्री व्ही.के. मलहोत्रा, क्षेत्रीय निदेशक, श्री राजीव सागर, क्षेत्रीय निदेशक, श्री एम.के. मलहोत्रा, क्षेत्रीय निदेशक एवं श्री बलविन्दर सिंह सहायक निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, चन्डीगढ़ केन्द्र भी दिखाई दे रहे है।

विश्व मितव्ययिता दिवस संदेश

बचत पखवाड़े का आयोजन

31 अक्तूबर – 14 नवम्बर 2009

विश्व मितव्ययिता दिवस

30 अक्तूबर 2009

राष्ट्रीय बचत संस्थान इस अवसर पर लघु निवेशकर्ताओं और उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराता है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत सरकार, सी.जी.ओ. काम्पलेक्स,

सेमिनरी हिल्स, नागपुर – 440 006

राष्ट्रीय बचत संस्थान

राष्ट्रपति

भारत गणराज्य

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि संपूर्ण देश में 30 अक्तूबर, 2009 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है।

विश्व मितव्ययिता दिवस लोगों के मध्य मितव्ययिता की आदत पैदा करने के बारे में जागरूकता हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैं राष्ट्रीय बचत संस्थान और सभी अन्य एजेंसियों को उनके द्वारा लोगों के मध्य बचत के महत्व को जानने और राष्ट्र निर्माण के महान लक्ष्य की पूर्ति करने की भूमिका के प्रति शुभकामनाएँ देती हूं।

विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर, मैं उन सभी को अपना अभिवादन और बधाई देती हूं जो भारत सरकार कि विभिन्न लघु बचत योजनाओं के माध्यम से संसाधनों को जुटाने में लगे राष्ट्रीय बचत संस्थान और संगठनों से संबद्ध है और मैं इस दिवस की पूर्ण सफलता की कामना करती हूं।

ह.

(प्रतिभा देवीसिंह पाटील)

प्रधानमंत्री

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्तूबर, 2009 को मनाया जा रहा है। हमें भविष्य के लिए बचत की आदत डालनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति का अंशदान हमारी कुल बचत राशि में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। हमारी लघु बचत योजनाएं हमारे आर्थिक विकास के लिए बहुमूल्य संसाधन उपलब्ध कराती हैं। हमारी उच्च बचत दर हमारी अर्थव्यवस्था की समुत्थान शक्ति के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक होती है, जिसने हमे वैश्विक वित्तीय संकट का सफलतापूर्वक सामना करने हेतु सक्षम बनाया। हमें अपनी बचत की संस्कृति को सुदृढ बनाना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को इसमें शामिल करना चाहिए। सरकार की विभिन्न लघु बचत योजनाओं में निवेश के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने में लगे राष्ट्रीय बचत संस्थान और सभी संगठनों की गतिविधियों ने हमारी बचत दर को बढाया है। हमें बचत की इस प्रवृत्ति को और विस्तार देना चाहिए और बचत के महत्व को समझना चाहिए तथा इस दिशा में उपाय करने चाहिए। विश्व मितव्ययिता दिवस पर केन्द्रित समारोह हमें इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु प्रेरित करें।

मैं विश्व मितव्ययिता दिवस की पूर्ण सफलता की कामना करता हूं।

ह.

(मनमोहन सिंह)

वित्त मंत्री

संपूर्ण राष्ट्र में विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्तूबर, 2009 को मनाया जा रहा है। यह वह दिन है जबकि लोगों के मध्य मितव्ययिता की आदत और लघु बचतों को प्रोत्साहन देने के लिए हम नए सिरे से प्रतिज्ञा करते हैं और अपने प्रयासों को मजबूती प्रदान करते हैं जिससे अर्थव्यवस्था लाभान्वित होती है और विकास को बढ़ावा मिलता है।

भारत सरकार की लघु बचत योजनाओं के जरिए संसाधन जुटाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस प्रकार जुटाई गई राशि का उपयोग देश के आर्थिक विकास कार्यक्रम के लिए होता है। विश्व मितव्ययिता दिवस हमें सादगी बरतने, मितव्ययिता की आदत विकसित करने और भारत सरकार की लघु योजनाओं के जरिए बचत करने की याद दिलाता है।

विश्व मितव्ययिता दिवस के इस अवसर पर, मैं इसकी सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

ह.

(प्रणब मुखर्जी)

वित्त राज्य मंत्री

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि 30 अक्तूबर, 2009 को विश्व मितव्ययिता दिवस समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मैं भारत सरकार की लघु बचत योजनाओं के माध्यम से मितव्ययिता के महत्त्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए संसाधनों को जुटाने में रत राष्ट्रीय बचत संस्थान और संगठनों को बधाई देता हूं। बचतों की व्यक्तिगत और देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय बचत संस्थान सहित सभी संगठन विभिन्न विस्तार एजेंसियों के माध्यम से लोगों में मितव्ययिता की आदत पर फोकस करने और प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर का उपयोग करेंगे।

मैं राष्ट्रीय बचत संस्थान और अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों को उनके कार्यकलापों की सफलता के लिए अपनी ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूं।

ह.

(नमो नारायन मीना)

अप्रैल से अगस्त 2009 के लिए अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

क्र. सं.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		अगस्त 2008 तक		अगस्त 2009 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	4343.32	-8.31	6203.50	599.54
2.	अरूणाचल प्रदेश	32.80	8.93	47.77	16.63
3.	असम	712.96	-63.30	840.93	45.23
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	11.66	2.94	16.34	6.53
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	118.36	-375.81	185.22	38.57
6.	बिहार	2339.19	468.24	3390.59	788.46
7.	झारखंड	915.92	175.92	1542.23	375.15
8.	चंडीगढ	172.79	-35.98	276.94	47.52
9.	दमण एवं दीव	170.56	-2.23	241.42	34.19
10.	दिल्ली	1820.70	-578.27	2952.50	231.04
11.	गोवा	144.20	1.09	237.65	46.37
12.	गुजरात	5192.62	-186.82	7244.79	1154.53
13.	हरियाणा	1753.04	-187.53	2268.83	293.09
14.	हिमाचल प्रदेश	935.66	83.23	1181.08	141.30
15.	जम्मू व कश्मीर	441.97	24.60	556.40	13.70
16.	कर्नाटक	2129.85	-232.12	2906.12	-42.91
17.	केरल	1714.93	-300.13	2178.93	-135.65
18.	लक्षद्वीप	0.70	0.00	1.10	0.12
19.	मध्य प्रदेश	1680.09	-17.93	2360.07	166.37
20.	छत्तीसगढ	577.23	6.50	973.46	85.09
21.	महाराष्ट्र	5076.49	268.43	6907.24	897.31
22.	मणिपुर	28.02	-10.11	45.51	1.78
23.	मेघालय	72.43	5.52	93.10	16.80
24.	मिझोरम	32.87	-3.24	32.97	5.70
25.	नागालैंड	11.75	-0.62	18.89	2.08
26.	उडीसा	1038.76	129.85	1456.06	319.50
27.	पांडीचेरी	36.41	-10.60	59.95	5.42
28.	पंजाब	3024.36	-153.47	3779.85	437.78
29.	राजस्थान	3110.73	-551.61	5112.32	-313.22
30.	सिक्कीम	20.69	-2.16	28.22	-3.11
31.	तमिलनाडू	3228.72	-443.45	4198.31	5.59
32.	त्रिपूरा	163.25	-12.17	195.04	14.06
33.	उत्तर प्रदेश	6048.66	566.18	7845.97	1380.19
34.	उत्तरांचल	905.32	118.45	1251.06	268.14
35.	पश्चिम बंगाल	7022.47	751.84	10912.39	2484.81
	कुल	**55029.46**	**-564.13**	**77542.76**	**9427.67**

टिप्पणी : डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त आंकडे समायोजन के अधीन है। इन आंकडों में पी.पी.एफ. एवं एस सी एस एस (बैंक) संग्रह शामिल नहीं हैं।

SHIVRAJ (D.G.P.S.) NAGPUR